वार्तालाप नं. 469, कलकत्ता -1, दिनांक 25.12.07
Disc.CD No.469, dated 25.12.09 at Calcutta-1

समयः 10.55-24.25

जिज्ञासुः बाबा, चोले से जगदम्बा स्वर्ग में नहीं जायेंगे?

बाबा: स्वर्ग में जाने वाले सूर्यवंशी होंगे या चन्द्रवंशी, इस्लामवंशी, बौद्धीवंशी, क्रिश्चयनवंशी भी होंगे? सूर्यवंशी होंगे। जो सूर्यवंशी स्वर्ग में जावेंगे वो 84 जन्म लेने वाले होंगे या कम जन्म लेने वाले होंगे? 84 जन्म लेने वाले होंगे। 84 जन्म लेने वाले जो सूर्यवंशी है उनकी माला होती है। होती है ना? (सभी ने कहा: होती है।) वो माला में सारे ही एक ही बीजरूप होंगे या अलग-2 धर्मों के बीज होंगे? अलग-2 धर्मों के भी बीज होंगे और जो अलग-2 धर्मों के बीज होंगे उनकी प्रजा अलग-2 धर्मों की होगी या एक ही धर्म की होगी? उनकी प्रजा भी अलग-2 धर्मों की होगी। यथा राजा तथा प्रजा। माना रुद्रमाला का जो पहला मणका होगा वो किस ग्रुप से होगा? सूर्यवंशी ग्रुप से होगा और उस ग्रुप में जो प्रजा का अंतिम पार्ट बजाने वाली आत्मा होगी, संगठन का, असल सूर्यवंशी संगठन का अंतिम पार्ट बजाने वाली आत्मा, उस आत्मा में और रुद्रमाला का जो अंतिम मणका होगा, उसका जो मुखिया होगा वो कौनसे वंश का होगा? (किसीने कहा- सूर्यवंशी।) सूर्यवंशी होगा? रुद्रमाला के मणकों में जो अंतिम मणका है ?

Time: 10.55-24.25

Student: Baba, will *Jagdamba* not go to heaven with her body?

Baba: Will those who go to heaven be *Suryavanshis* (those of the Sun dynasty) or will they also be *Chandravanshis* (those of the Moon dynasty), *Islamvanshis* (those of the Islam dynasty), *Baudhivanshis* (those of the Buddhist dynasty), *Christianvanshis* (those of the Christian dynasty)? They will be *Suryavanshis*. Will the *Suryavanshis* who go to heaven, take 84 births or will they take fewer births? They will take 84 births. There is a rosary of the *Suryavanshis* who take 84 births. It exists, doesn't it? (Everyone said: It exists). Will all the beads of that rosary be similar seed-form souls or will they be the seeds of different religions? There will be seeds of different religions too, and will the subjects of those who are seeds of different religions belong to different religions or to the same religion? Their subjects will also belong to different religions. As is the king so are the subjects. It means … the first bead of the rosary of *Rudra (Rudramala)* will belong to which group? He will be from the *Suryavanshi* group and in that group, the soul who plays the part of the last subject; the soul who plays the part of the last one in the gathering, of the true *Suryavanshi* gathering, that soul [will belong to which dynasty] and the last bead of the *Rudramala*, its head will belong to which dynasty? (Someone said – *Suryavanshi*). Will he be a *Suryavanshi*, the last bead among the beads of the *Rudramala*?

माला बनती है तो 2 ग्रुप होते हैं। एक दाईं ओर का और एक बाईं ओर का। दाईं ओर का जो पार्ट बजाने वाले होते हैं वो अलग और बाईं ओर का पार्ट बजाने वाले अलग। तो उन दाईं ओर और बाईं ओर के पार्ट बजाने वालों में कोई सबसे ऊपर भी होंगे? (किसीने कहा- बाप है।) सिर्फ बाप का ही ग्रुप जो है वो ऊपर होगा? माँ का ग्रुप ऊपर नहीं होगा? माँ का ग्रुप भी ऊपर ही होगा ना? जैसे कई बार बोला है, माला में 2 मणके होते हैं और दोनों ही बाप के नजदीक। अंतिम मणका भी नज़दीक और पहला (अंतिम) मणका भी उतना ही नज़दीक होगा जितना फर्स्ट

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

मणका नज़दीक होता है। लेकिन वो अंतिम कहा जाता है और वो फर्स्ट कहा जाता है। ऐसे क्यों? कोई भी माला हो, रुद्रमाला हो, विजयमाला हो, कोई भी माला हो, जो ऊपर के 2 मणके हैं उनमें एक है दाईं ओर का और एक है बाईं ओर का। बाईं ओर का जो मणका है वो वाम मार्गी मणकों का मुखिया है और दाईं ओर का जो मणका है वो दाये हाथ का जो श्रेष्ठ पार्ट है उनका मुखिया है। तो 2 वंश हुए सबसे ऊपर। कौन-कौनसे? सूर्यवंश और चन्द्रवंश।

When a rosary is formed, there are two groups. One of the right side and the other of the left side. Those who play the part of the right side are different and those who play the part of the left side are different. So, will there be someone who are topmost among those who play the part of the left side and the right side? (Someone said – the Father.) Will just the Father's group be at the top? Will the Mother's group not be at the top? The Mother's group will also be at the top, will it not? For example, it has been said many times that there are two beads [at the top] in the rosary and both are close to the [Supreme Soul] Father. The last bead is close and the last bead will be as close [to the Father] as the first bead. But that one is called the last bead and that one (the first one) is called the first bead. Why is it so? Whichever rosary it may be, whether it is *Rudramala, Vijaymala*, or any rosary, among the top two beads, one is on the right side and the other is on the left side. The bead on the left side is the head of the beads who follow the left path and the bead on the right side is the head of those who play the righteous part on the right hand side. So, two dynasties are topmost. Which ones? The Sun Dynasty and the Moon Dynasty.

रावण राज्य कहाँ से स्थापन होता है? रावण राज्य का बीज कौनसे वंश से पड़ता है? (किसी ने कहा- राम वाली सोल।) राम वाली आत्मा से रावण राज्य का बीज पड़ता है! राम वाली आत्मा से रावण राज्य का बीज पड़ता है तो रावण राज्य कहा जाना चाहिए या राम राज्य कहा जाना चाहिए? राम राज्य और रावण राज्य दो राज्य है ना, दो प्रकार के? राम के द्वारा राम राज्य और रावण के द्वारा रावण राज्य। जब रावण कहा जाता है तो रावण की रहबरी में सब धर्म पलने चाहिए या कोई धर्म ऐसा भी है जो उसकी रहबरी में नहीं पलता है? जब शिवबाबा आते हैं इस सृष्टि पर तो सिर्फ एक ही वंश ऐसा निकलता है जो आदि से अंत तक कभी भी शिवबाबा को धोखा नहीं देता।

From where does the establishment of the kingdom of Ravan begin? Which dynasty sows the seed of the kingdom of Ravan? (Someone said – the soul of Ram). Does the soul of Ram sow the seed of the kingdom of Ravan? If the seed of the kingdom of Ravan is laid through the soul of Ram, should it (his kingdom) be called *Ravanrajya* (the kingdom of Ravan) or *Ramrajya* (the kingdom of Ram)*? Ramrajya* and *Ravanrajya* are two kingdoms, of two types, aren't they? *Ramrajya* [is established] through Ram and *Ravanrajya* [is established] through Ravan. When he is called Ravan, should all the religions sustain under the guidance of Ravan or is there any such religion which does not sustain under its guidance? When Shivbaba comes in this world, only one such dynasty emerges which does not deceive Shivbaba from the beginning to the end.

तुम बच्चे हो अपने देवी-देवता सनातन धर्म के पक्के। जो पक्के सूर्यवंशी है वो कभी भी धोखा देने वाले नहीं हो सकते। कच्चे होंगे तो थोड़ा न थोड़ा बाप की ग्लानि करने वाले ग्रुप में जरूर आ जावेंगे। इसलिए कहा 'सद्गुरु निन्दक ठौर न पावे'। कौनसा ठौर की बात है? वो तो सन्यासी लोग भी कहते हैं, सद्गुरु निन्दक ठौर न पावे। उनके पास तो कोई ठौर होता ही नहीं,

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तो बात कहाँ की है? संगमयुग की बात है। माना जो चन्द्रवंशी ग्रुप है, बीज रूप आत्माओं में खास; जैसे आधारमूर्त में पार्ट चला है वैसे ही बीज रूप चन्द्रवंशी ग्रुप पार्ट बजायेगा या कोई दूसरा पार्ट बजायेगा? यज्ञ के आदि से ले करके सूर्यवंशी और चन्द्रवंशी, दोनों अलग-2 हो गए। अलग हुए या नहीं हुए? अलग हुए। सारी दुनिया ने कौनसे ग्रुप को अपनाया? चन्द्रवंशी ग्रुप को अपनाया, चन्द्रवंशी ग्रुप में पले और सूर्यवंशी, सूर्य और सूर्यवंशी ग्रुप वो हवा हो गया। ऐसे ही जो आदि में हुआ सो अंत में भी होना चाहिए या नहीं होना चाहिए? होना चाहिए।

You children are firm in your Ancient Deity Religion *(Devi-Devta Sanatan dharm)*. Those who are firm *Suryavanshis* can never deceive [the Father]. If they are weak, they will certainly be included in the group of those who defame the Father to some extent or the other. This is why, it has been said, the one who defames the *Sadguru* cannot find the accommodation. It is about which accommodation? Those *Sanyasis* also say, the one who defames the *Sadguru* cannot find the accommodation. They have no place [of their own] at all; so, when is it about? It is about the Confluence Age. It means that the Moon Dynasty group, especially among the seed-form souls; will the seed-form Moon dynasty group play a part similar to the part that was played among the root-form souls, or will it play a different part? From the beginning of the *yagya* the *Suryavanshis* and the *Chandravanshis* separated. Did they separate or not? They separated. Which group did the entire world accept? They accepted the *Chandravanshi* group, they sustained in the *Chandravanshi* group; and the Sun and the Sun dynasty group vanished. Similarly, should whatever happened in the beginning happen in the end too, or not? It should happen.

अलफ को मिला अल्लाह, बे बादशाही जिसको चाहिए सो ले ले। जिसको ज्यादा तमन्ना हो कि हम राज्य करे, कंट्रोल करे। ब्राह्मणों की दुनिया में भी ऐसी आत्मायें हैं या नहीं है जो चाहती हैं, हम कंट्रोल करें? बेसिक नॉलेज में भी हुए या नहीं हुए? और अभी है या नहीं है? हैं। ढ़ेर के ढ़ेर हैं जो चाहते हैं हमारे कंट्रोल में सारी दुनिया रहे। तो बेसिक नॉलेज में जब इतना प्रत्यक्ष देखने में आ रहा है तो एडवांस नॉलेज में भी कोई गुरु ऐसे होंगे या नहीं होंगे? निकलेंगे या नहीं निकलेंगे जिनके अन्दर की तमन्ना होगी कि सारे हमारे कंट्रोल में रहें?

Alaf[1] found *Allah* (God); whoever wants *Be*[2] *badshahi* (emperorship) can take it. If someone has a great desire to rule, to control. Are there such souls even in the Brahmin world or not who wish that they should control? Were such souls also in the basic knowledge or not? And are they present now or not? There are numerous such souls who wish that the entire world should be under their control. So, when it is directly visible in the basic knowledge to such an extent, will there be such *gurus* in the advance knowledge too or not? Will they emerge or not, who will have a desire within that everyone should be under their control?

बाप तो आया है, बोलता है, बच्चे बाप समान बनो। बाप कहता भी है, बच्चे, तुम ब्राह्मण हो। ब्राह्मणों का कर्म है सेवाधारी बनना। क्या? सेवाधारी हो। बाप खुद भी अपन को कहता है, आय एम यॉर मोस्ट ओबिडियंट सर्वेंट और प्रैक्टिकल में बन करके भी दिखाता है। क्या? प्रैक्टिकल में बनके दिखाता है? कोई बच्चे कहेंगे कि बाप हमारा ओबिडियंट सर्वेंट है? कहेंगे नहीं लेकिन

[1] The first letter in the Urdu language, here, the hero actor Prajapita.

[2] The second letter in the Urdu language.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

महसूस करते होंगे? करते हैं? कभी शिकायत तो नहीं करते हैं कि हम 20 बार फोन करते हैं, हमें एक बार भी फोन का जवाब नहीं आता? 20 बार हम ई-मेल करते हैं, हमारे एक भी ई-मेल का जवाब नहीं आता? तो ओबिडियंट सर्वेंट हुआ? हुआ? नहीं हुआ! (किसी ने कहा- कभी टाईम कम होता है इसलिए।) माना ओबिडियंट सर्वेंट तो है, लेकिन एवररेडी नहीं है! और बाप जिन बच्चों का ओबिडियंट सर्वेंट बनके आता है उनका एवररेडी सर्वेंट होगा या लेज़ी (lazy) सर्वेंट होगा? (सभी- एवररेडी।) अरे! ऐसे सर्वेंट को कोई पसन्द करता है कि ऑर्डर दे और कोई काम ही न करे कहे, बकने दो, बोलने दो, बाद में कर लेंगे? ऐसे सर्वेंट को कोई पसन्द करता है? कोई नहीं पसन्द करेगा।

The Father has come; He says, Children, become like the Father. The Father also says, Children you are Brahmins; the duty of the Brahmins is to be a *sevadhari*[3]. What? You are *sevadharis*. Even the Father says about Himself, I am your most obedient servant and He also becomes one and sets an example in practical. What? Does He become so and set an example in practical? Will any of the children say that the Father is their obedient servant? They may not say, but they would be feeling so? Do they [feel so]? Do they ever complain that they ring 20 times [to talk to Baba]; [but] we don't receive the response even once [for our phone calls]. We send e-mails [referring to Baba] 20 times; we do not get a reply to any of our e-mails? So, is He an obedient servant? Is He? He isn't. (Someone said- because sometime the time is less). It means that He is an obedient servant, but He isn't ever ready. And will the Father be an ever ready servant or will He be a lazy servant of the children for whom He comes as an obedient servant? (Everyone said – ever ready). Arey! Does anyone like a servant who when ordered to do something, does not perform any task at all [and says] let him blabber, let him speak, I will do it later on? Does anyone like such a servant? Nobody will like.

तो शिवबाबा कहते हैं, बच्चे आय एम यॉर मोस्ट ऑबिडियंट सर्वेंट। माना 84 जन्मों में तुम्हें ऐसा कभी भी सर्वेंट ओबिडियंट नहीं मिलेगा। क्या? कि रात में सो रहा हो, और सो रहा हो तो भी अलार्म अलर्ट करके रखे- पता नहीं कब घण्टी आ जाए, कब काम करना पड़े। 84 जन्मों में ऐसा सर्वेंट कभी नहीं मिलेगा लेकिन इस संगमयुग में मैं तुम्हारा ओबिडियंट सर्वेंट बनता हूँ। तो आज्ञाकारी, वफादार, ईमान्दार, फरमान-बरदार बच्चों का ओबिडियंट सर्वेंट होगा या ताल ठोक के सामने आ जाए उनका सर्वेंट बनेगा? किसका सर्वेंट बनेगा? आज्ञाकारी, वफादार, ईमानदार और फरमान-बरदार जो बच्चे होंगे माना सर्व सम्बन्धों से निभाने वाले जो बच्चे होंगे उनका ओबिडियंट सर्वेंट बनके आता है। आता नहीं है, प्रैक्टिकल में बनता भी है। वो अनुभव भी कर रहे होंगे।

So, Shivbaba says, Children, I am your most obedient servant. It means that you will never get an obedient servant like this in 84 births. What? [You will not get a servant] who may be sleeping in the night, but even while sleeping, keeps his alarm alert [thinking:] who knows when the alarm may ring, when I may have to work. You will never find such a servant in 84 births, but in this confluence Age I become your obedient servant. So, will He be an obedient servant of the obedient, loyal, sincere, and the children who obey the orders or will he be a servant of those who give a challenge and come in front? Whose servant will He become? He comes as an

[3] The one who does service.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

obedient servant of the obedient, loyal, sincere and the children who obey the orders, i.e. the children who maintain all their relationships with the Father. He does not just come, but he also becomes such one in practical. They must even be experiencing it.

जिज्ञासु: बाबा प्रश्न ये था कि वो संगमयुग के स्वर्ग में तो नहीं जायेंगी ना?

बाबा: संगमयुगी स्वर्ग में जो अव्वल नं. आज्ञाकारी, वफादार, ईमानदार, फरमान-बरदार बच्चे होंगे, जिन बच्चों का बाप ओबिडियंट सर्वेंट बनकरके प्रैक्टिकल में पार्ट बजा रहा होगा, वो स्वर्ग में क्यों नहीं होंगे?

जिज्ञासु: जगदम्बा तो संगमयुगी स्वर्ग में जायेगी लेकिन 16000 जो.....

बाबा: संगमयुगी स्वर्ग में जगदम्बा पहले जायेगी?

जिज्ञासु: नहीं, जाना तो चाहिए .....

बाबा: चाहिए? पहले जाना चाहिए? वो अष्ट देवों में आयेगी?

जिज्ञासु: अष्ठ देवों में तो नहीं है।

बाबा: जब अष्ट देवों में नहीं है तो पहले स्वर्ग में कैसे होगी?

Student: Baba, the question was, she will not go to the Confluence Age heaven, will she?
Baba: Why will not the number one obedient, loyal, sincere and the children who obey the orders, the children for whom the Father is playing the part of an obedient servant in practical, go to the Confluence Age heaven?
Student: *Jagdamba* will go to the Confluence Age heaven, but 16000….
Baba: Will *Jagdamba* go to the Confluence Age heaven first?
Student: No, she should go …
Baba: Should she? Should she go first? Will she be included among the eight deities *(ashta dev)*?
Student: She isn't among the eight deities.
Baba: When she is not one of the eight deities, how will she be in the heaven first?

जिज्ञासु: पहले नहीं बाबा, बोला है, जो 16000 आत्मायें हैं वो संरक्षण देंगी ना लास्ट में...?

बाबा: अरे, 16000 में तो बताया है कि 16000 में जाने से तो अच्छा, साहूकार प्रजा में चला जाए सो बढ़िया।

जिज्ञासु: बाबा, जगदम्बा ही स्वर्ग का गेट खोलेंगे तो...?

बाबा: जगदम्बा स्वर्ग का गेट खोलेगी कब? जब जगदप्पा के अंडर द कंट्रोल होगी तब या कंट्रोल से बाहर होगी तब?

Student: Baba, not first; it has been said that the 16000 souls will give protection in the last, won't they…?
Baba: *Arey*, it has been said that instead of becoming a part of the [rosary of] 16000 [souls], it is better to be the one among the prosperous subjects (*sahukar praja*).
Student: Baba, *Jagdamba* herself will open the gate of heaven; so…
Baba: When will *Jagdamba* open the gate of heaven? Will she do so when she is under the control of *Jagadappa* (the World Father) or will she do so when she is out of his control?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः गेट खोलने के बाद तो स्वर्ग में सभी घुसेंगे।

बाबाः हाँ, गेट खोलने में भी आगे कौन होगा? जो असली प्रैक्टिकल में जगदम्बा का पार्ट बजाने वाली होगी वो होगी या सिर्फ सुनने-सुनाने के लिस्ट में होगी वो होगी?

जिज्ञासुः जो असली होगी।

बाबाः एक होता है एडवांस ज्ञान सुनना और दूसरों को सुना देना और प्रैक्टिकल में जब परीक्षा आए तो छिटक करके अलग हो जाना और एक होते हैं- ज्ञान सुने भी, सुनाये भी और जब प्रैक्टिकल की परीक्षा आए तो उसमें भी पास हो करके दिखाए। तो प्रैक्टिकल स्वर्ग में कौन जावेंगे पहले? जो पास हो करके दिखाए वो पहले जावेंगे। जो सिर्फ प्यार करते हैं, दुनिया की नजरों में दिखाते हैं कि हम सरेण्डर हुए लेकिन अंत तक निभाते नहीं है। जब निभाते नहीं है अंत तक तो पाने वालों की लिस्ट में भी अव्वल नं नहीं आ सकते, दूसरे ग्रुप में चले जावेंगे।

Student: Everyone will enter heaven after opening the gate.

Baba: Yes, who will lead even those who open the gate? Will it be the one who plays the part of *Jagdamba* in practical or will it be the one who is in the list of those who just listen and narrate?

Student: the one who is real.

Baba: One thing is to listen to advance knowledge and to narrate it to others and when the practical test comes, they separate. And the other kind of souls are those who listen to the knowledge as well as narrate it and when the practical test comes, they pass it and show as well. So, who will go to the practical heaven first? The one who pass [the test] will go [to heaven] first. Those who just love, they show to the world that they are surrendered, but they do not maintain [relationship] till the end. When they do not maintain till the end, they cannot come number one in the list of the achievers either. They will go to the other group.

समयः 24.26-27.35

जिज्ञासुः बाबा, मुरली का पॉईंट है, पहले तो मुझे प्रजापिता चाहिए और सूक्ष्मवतनवासी को यहाँ कैसे ले आ सकते हैं? यह तो फरिश्ता है ना? उनको पतित दुनिया में ले आओ तो दोष हो जाए।

बाबाः हाँ। नहीं तो दोष हो जाएगा।

जिज्ञासुः इसका अर्थ क्या है बाबा?

बाबाः दोष का मतलब ये है, शिवबाबा तो सूक्ष्मवतनवासी में तो प्रवेश नहीं करता। सूक्ष्मवतनवासियों में तो आता भी नहीं है। सूक्ष्मवतनवासियों की दुनिया तो फरिश्तों की दुनिया होती है। जो फरिश्तों की दुनिया होती है उनका तो फर्श वालों से कोई रिश्ता ही नहीं तो उनका कोई पाप कर्म बनने की तो बात ही नहीं। मैं तो पतित तन में आता हूँ। क्या? पतित तन वाले होते हैं वो ढ़ेर के ढ़ेर सम्बन्ध जोड़ते हैं या फरिश्तायें ढ़ेर के ढ़ेर सम्बन्ध जोड़ते हैं? जो पतित तन वाले होते हैं वो सम्बन्धों की ढ़ेर लगा देते हैं, बौछार लगा देते हैं। तो सम्बन्ध जहाँ बहुत होंगे दुनिया में वो दुनिया पतित होती है या पावन दुनिया होती है? पतित दुनिया होती है। सतयुग में ढ़ेर के ढ़ेर सम्बन्ध ही नहीं होते। तो दुनिया ही उनकी पावन होती है और वायब्रेशन भी कैसे होंगे? पावन वायब्रेशन होंगे।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 24.26-27.35
Student: Baba, there is a *Murli* point, first I require Prajapita and how can I bring the subtle world dweller here? This one is an angel, isn't he? If he is brought to the sinful world, it will be a sin (*dosh*).
Baba: Yes, it will be a sin.
Student: Baba, what is meant by this?
Baba: *Dosh* (sin) means that Shivbaba does not enter the subtle world dweller. He does not enter subtle world dwellers at all. The world of subtle world dwellers is a world of angels (*farishta*). The world of angels does not have any relationship (*rishta*) at all with those who live on the earth (*farsh*); so there is no question of accumulating sins for them at all. I come in a sinful body. What? Do those with a sinful body establish numerous relationships or do the angels establish numerous relationships? Those who have a sinful body establish numerous relationships, they shower [relationships]. So, where there are numerous relationships in the world, is that world sinful or pure? The world is sinful. There are not numerous relationships at all in the Golden Age. So, their very world is pure and how will the vibrations be? The vibrations will be pure.

तो मैं सूक्ष्मवतन वासी ब्रह्मा में नहीं आता हूँ। किसमें आता हूँ? प्रजापिता में आता हूँ। सारी प्रजा जब तक पतित है और सारी प्रजा की 500 करोड़ आत्माओं में से अंतिम आत्मा भी जब तक पतित है तब तक प्रजापिता चाहिए जरूर इस साकार सृष्टि पर। क्या? 500 करोड़, 700 करोड़ मनुष्यों की जो प्रजा है उसका बाप कौन? प्रजापिता। तो जो परिवार का मुखिया है उसकी ये जिम्मेवारी हो जाती है कि अगर घर में आग लगी हुई हो तो छिटक के बाहर न चला जाए। क्या करेगा? अगर सच्चा बाप है तो अपने आखरी बच्चे को भी सम्भालेगा, आग से बाहर निकाल के छोड़ेगा। तो एक ही सच्चा निकलता है और बाकी तो आत्मा कहते जरूर हैं, मैं आत्मा हूँ। लेकिन परीक्षा भी होगी न आत्मा की? देह देह नहीं, बाप बाप नहीं, माँ माँ नहीं, पत्नी पत्नी नहीं, कोई भी सम्बन्ध नहीं। एक शिवबाबा दूसरा न कोई।
So, I do not enter in the subtle world dweller Brahma. In whom do I come? I come in Prajapita. As long as all the subjects are sinful and as long as even the last soul among 500 crore (5 billion) souls is sinful, Prajapita is certainly required in this corporeal world. What? Who is the father of the 500 crore, 700 crore (7 billion) human beings who are subjects? Prajapita. So, it is the responsibility of the head of the family that if the house is burning, he should not move out and run away. What will he do? If he is a true father, he will take care of even the last child; he will rest only after he brings him out of the fire. So, only one turns out to be true and the remaining souls do say they are souls. But the soul will be tested as well, won't it? The body is not 'my body', the father is not 'my father', the mother is not 'my mother', the wife is not 'my wife'; there should not be any relationship. One Shivbaba and no one else.

समयः 27.38-28.50
जिज्ञासुः बाबा, शिव एकव्यापी है तो आदि ब्रह्मा में जो गाई हुई है प्रवेशता की वो कैसे बाबा?
बाबा: ये नहीं कहा शिव एकव्यापी है। ये कहा शिवबाबा एकव्यापी है। क्या? बाबा माना ग्रैंडफादर। वो इस सृष्टि पर जब आता है तो माँ के रूप में पार्ट बजाता है तो भल ब्रह्मा के तन में आता है, दादा लेखराज के द्वारा सहनशक्ति का पार्ट बजाता है; वो सम्भव है। लेकिन बाप

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

के रूप में वो सिर्फ एक ही तन में व्यापक है। सर्वव्यापी नहीं हो सकता और सर्वव्यापी होगा तो संसार में प्रत्यक्ष भी नहीं हो सकता। संसार में एक प्रत्यक्ष होगा भगवान के रूप में या अनेक प्रत्यक्ष होंगे? एक प्रत्यक्ष होगा तो सारी दुनिया मानेगी, याद भी करेगी। अगर एक में प्रत्यक्ष नहीं होगा, इसमें-उसमें-3 सारी दुनिया में, सब में प्रत्यक्ष होगा तो किसको याद करेगा? व्यभिचारी बुद्धि बनेगा या अव्यभिचारी बनेगा? व्यभिचारी बन जायेगा।

Time: 27.38-28.50

Student: Baba, if Shiva is present in one, then what about the praise that Shiva entered the first Brahma *(Adi Brahma)* [in the beginning]?

Baba: It has not been said that Shiv is *ekvyapi* (i.e. present in one). It has been said that Shivbaba is *ekvyaapi*. What? Baba means grandfather. When He comes in this world, He plays a part in the form of a mother. So, although He comes in the body of Brahma, although He plays the part of tolerance through Dada Lekhraj, that is possible. But in the form of a father, He is present only in one body. He cannot be omnipresent and if He is omnipresent, He cannot be revealed in the world either. Will one [personality] be revealed in the world in the form of God or will many [personalities] be revealed? If one [personality] is revealed [as God], the entire world will accept [him]; the entire world will also remember Him. If He is not revealed through one [personality], if He is revealed in this one, in that one in the entire world, if he is revealed through everyone, whom will you remember [as God]? Will you become the one with an adulterous intellect or will you become unadulterated? He will become adulterous (*vyabhichari*).

समयः 38.55-44.45

जिज्ञासुः बाबा, अष्ट देव जो हैं वो सारे पुरुष चोला में होगा क्या?

बाबा: पुरुष चोला और स्त्री चोला की यहाँ ज्ञान में बात नहीं होती है। ज्ञान में क्या बात होती है स्पेशल? आत्मिक स्थिति की बात होती है। चाहे पुरुष चोला हो और चाहे स्त्री चोला हो लेकिन भाव, स्वभाव, संस्कार पुरुष का होना चाहिए। पुरुष माना? पुरी, जो शरीर रूपी पुरी है उसमें आनन्द करने वाली आत्मा, सोने वाली आत्मा, विश्राम पाने वाली आत्मा। जो शरीर रूपी पुरी में रह करके विश्राम करता है। बेआराम नहीं, क्या करता है? आराम करता है। वो राम के नजदीक रहने वाला होगा या रावण के नजदीक रहने वाला होगा? राम के नजदीक रहने वाला होगा। तो उसको कहते हैं पुरुष। जो पुरुष आत्मा है वो ऐसे स्वभाव-संस्कार वाली होनी चाहिए कि उसको पुरुष कहा जा सके। नारी नहीं, पुरुष। शरीर की बात नहीं है।

Time: 38.55-44.45

Student: Baba, will the eight deities (*ashta dev*) be in male bodies?

Baba: There is no question of male body or female body in the knowledge here. What is considered especially in the knowledge? There is consideration of the soul conscious stage. Whether it is a male body or a female body, but the manners, the nature, and the *sanskars* should be of a male (*purush*). What does *purush* mean? The soul which enjoys, the soul that sleeps, the soul that rests in the *puri* (abode), the abode-like body (*shareeer roopi puri*).The one who rests while living in the abode-like body. It is not restless (*beaaram*); what does it do? It rests (*aaram*). Will it be the one to remain close to Ram or close to Ravan? It will be the one to remain close to Ram. So, it is called *purush*. The *purush* soul should have such nature and *sanskars* that it could be called *purush*. Not a female, but a male (*purush*). It is not a question of the body.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु: अष्ट देव जब प्रत्यक्षता होगा.....

बाबा: होगा? अभी हो नहीं रहे हैं?

जिज्ञासु: हो रहा है बाबा लेकिन देव बोला गया है ना। देवी तो नहीं बोला गया।

बाबा: ये किसने कहा देवी है? आप देवी समझते हैं?

जिज्ञासु: नहीं, ऐसी बात नहीं है। लेकिन कोई नारी चोला होगा लेकिन पुरुष स्वभाव, संस्कार होगा तो देव के रूप में पूजा मिलेगा क्या?

बाबा: हाँ तो उसको पुरुष कहेंगे आप; आप आत्मा अभिमानी हैं, आप उसको शरीर रूपी पुरी में रहने वाला पुरुषार्थी पुरुष कहेंगे या नारी कहेंगे?

जिज्ञासु: पुरुष।

बाबा: आप पुरुष कहेंगे तो पुरुष ही रहना चाहिए। (किसीने कहा- रिज्युविनेट हो जायेगा।) हाँ, जब टाईम आयेगा तो रिज्युविनेट भी हो जायेगा।

Student: When the eight deities are revealed in future….

Baba: In future? Are they not being revealed now?

Student: Baba, they are being revealed [now], but they have been called '*dev*' (male deities), haven't they? They have not been called *devi* (female deities).

Baba: Who said that they are female deities? Do you think they are female deities?

Student: No. It is not so. But if there is someone with a female body, and yet the nature and *sanskars* are of a male, will she receive worship in the form of a *dev*?

Baba: Yes. So, will you call it *purush*? Are you soul conscious; will you call it a *purusharthi purush* (the one who makes special effort for the soul) living in the abode-like body or will you call it a female?

Student: *Purush*.

Baba: You will call it *purush*, so it should be *purush* only. (Someone said- it will rejuvenate). Yes, when the time comes, it will rejuvenate too.

जिज्ञासु: बाबा ने बोला ना चार जोड़े निकलते हैं। चार मेल, चार फीमेल होगा ना?

बाबा: हाँ तो?

जिज्ञासु: माना शरीर से होगा ना ऐसे?

बाबा: अच्छा स्वभाव-संस्कार से नहीं होगा, शरीर हमें चाहिए? हम आस लगाए बैठे हैं।

जिज्ञासु: 296 कैसेट में आपने बोला कि अष्ट देव में जो 8 होते हैं, चार जोड़े। चार मेल, चार फीमेल, भाई-भाई के रूप में होते हैं।

बाबा: हाँ, भाई-2 के रूप में तो होते हैं, आत्मा-2 भाई-2 लेकिन वो आत्मा-2 भाई-2 होंगे या आत्मा देह भाई-बहन होंगे? आत्मा-2 भाई-2 इस रूप में होंगे कि चाहे विजयमाला के 4 मुखिया हो.... अरे, रुद्रमाला में से चार मुखिया होंगे; चार, पहले चार तो विजयमाला में से पहले चार नहीं होंगे? होंगे ना? तो जो विजयमाला से चार होंगे उनकी जोड़ी, वो चार आत्मायें और जो रुद्रमाला से चार होंगे उनकी जोड़ी मिल करके विजयमाला के दाने बनेंगे। उनकी बात है। रुद्रमाला में तो सारे पुरुष ही पुरुष है। स्त्री कोई है ही नहीं और जो रुद्रमाला वालों को भी स्त्री

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

चोले के रूप में देखते हैं उनका अपना देहभान उनको आकर्षित करता है। वो किसीके कंट्रोल में आने वाले नहीं है। जो रुद्रमाला के मणके होंगे वो कोई के कंट्रोल में रहने वाले होंगे या राजा स्वभाव के होंगे? राजा स्वभाव के होंगे। तुम्हें बनना हो तो उनकी रानी भले बनो। बाकी बित-2 करने की जरूरत नहीं है।

Student: Baba has said that four couples emerge. They will be four males, four females, won't they?
Baba: Yes, so what?
Student: It means, they will be so (male and female) through the body, won't they?
Baba: OK, it will not be enough through nature and *sanskars*; we want it through the body. We are hopefully waiting.
Student: You have said in Cassette No.296, the eight deities included in [the list of] *ashta dev* are four couples. Four males, four females; they are in the form of brothers.
Baba: Yes, they are in the form of brothers; souls are brothers among themselves, but will they be souls in the form of brothers or will they be a soul and a body in the form of a brother and a sister? They will be souls in the form of brothers; whether they are the four main [souls] of the *Vijaymala* (rosary of victory)……..*arey*, when there are four main ones from the *Rudramala* (the rosary of *Rudra*), the first four; will there not be the first four from the *Vijaymala*? They will be present, will they not? So, the couples formed by the four souls from the *Vijaymala* and the couples of the four [souls] from the *Rudramala* will combine and become the beads of the *Vijaymala*. It is about them. *Rudramala* consists entirely of males [in an unlimited sense]. There is no female at all. And those who see the members of *Rudramala* too as females, it is their body consciousness which attracts them. They are not going to come under anyone's control. Will the beads of the *Rudramala* be the ones who remain under anybody's control or will they have the nature of kings? They will have the nature of kings. If you wish, you may become their queen. As for the rest, there is no need to have this body conscious urge.

जिज्ञासु: लेकिन बाबा 296 कैसेट में बोले थे कि भाई-2 के स्टेज में योगीश्वर के साथ योगीनी बहन भी है।

बाबा: हाँ तो?

जिज्ञासु: वो तो अष्ट देव का जोड़ी हिसाब से बोला है ना?

बाबा: तो क्या हुआ? माना जो पुरुष है वो स्त्री का पार्ट नहीं बजाए सकता? स्वभाव-संस्कार की बात है। है स्वभाव-संस्कार। ऐसा स्वभाव-संस्कार है जो कोई के कंट्रोल में रहना पसंद नहीं करता।

जिज्ञासु: बाबा मेजॉरिटी स्त्री चोला होगा अष्ट देव में। एक कैसेट में बोला।

बाबा: जो अभी तक देखने में आ रहा है रिजल्ट, यज्ञ के आदि में जितने भी पुरुष थे वो सब फ्रंट में चले गये, एडवांस के आदि में जितने भी पुरुष थे वो सब धराशायी हो गए और अभी भी जो भी पुरुष चोले में हैं वो अपनी दुर्योधन-दुःशासन वृत्ति छोड़ते नहीं है। कन्याओं-माताओं के ऊपर कंट्रोल करना जैसे उनका जन्म सिद्ध अधिकार है। भगवान बाप भी बीच में आ जाए तो भी मानने वाले नहीं है। देहभान आ ही जाता है, दुर्योधन-दुःशासन वृत्ति आ ही जाती है। उस हिसाब से बताया कि ऐसा हो सकता है। होना नहीं चाहिए क्योंकि आत्मा-2 भाई-2 का पुरुषार्थ करेंगे तो क्यों नहीं प्राप्ति करे? ये कोई जरूरी थोड़ी है कि त्रैमासिक परीक्षा में जो फेल हो जाए,

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

छः माही परीक्षा में जो फेल हो जाए वो फायनल में भी फेल हो जायेगा। ऐसे सोचने का तो कोई कारण नहीं है।

Student: But Baba had said in the cassette no. 296 that there is sister *Yogini* (female *yogi*) also along with *Yogishwar* (the controller of the *yogis*) in the brother-like stage.
Baba: Yes, so what?
Student: It has been said in account of couples among the eight deities, hasn't it?
Baba: So, what happened? Does it mean that a man cannot play a part of a women? It is about the nature and *sanskars*. They have [such] nature and *sanskars.* They have such nature and *sanskar* that they do not like to remain under anybody's control.
Student: Baba, the majority among the eight deities will have female bodies. It has been said so in a cassette.
Baba: As per the result that is being observed so far, all the men who were there in the beginning of the *yagya* went against the father (i.e. left the *yagya*); all the men in the beginning of the advance [party] failed (i.e. left the *yagya*) and even now all those who are in male bodies do not give up their attitude of *Duryodhan-Dushasan* (villainous characters in the epic Mahabharat). They feel that it is their birth right to control the virgins and mothers. They are not going to accept even if God the Father comes in between. They do develop body consciousness; they do develop the attitude of *Duryodhan-Dushasan* . That way it has been said that it can happen like that. It should not happen like this because if they make *purusharth* (special effort for the soul) to become souls in the form of brothers, why should they not achieve attainments? It is not necessary that if someone fails in the quarterly exam, in the half-yearly exam, he will also fail in the annual exam. There is no reason to think so.

समयः 46.06-48.46

जिज्ञासुः बाबा, सूर्यवंश का तो 2 ही दिखाई दे रहा है- एक राम वाली आत्मा है पुरुष चोला का पार्ट बजाने वाला और एक योगिनी बहन। तो 2 दिखाई दे रहा है ना?

बाबाः और देखने वाले तीसरे को भी देख रहे हैं। वो कैसे देख रहे हैं? तुम तो कह रहे हो 2 दिखाई दे रहे हैं।

जिज्ञासुः नहीं-2, सूर्यवंश के अन्दर ही चन्द्रवंश।

बाबाः सूर्यवंश के अन्दर ही चन्द्रवंश?

जिज्ञासुः क्योंकि जो योगिनी बहन है या योगिनी माता है.....

बाबाः सूर्यवंश के अन्दर तो हर वंश के हैं। सूर्यवंश में 12 है? असल जो संगठन है, पहला संगठन जिसके लिए बोला है, एक भी पावरफुल संगठन तैयार होने पर एक ग्रुप को दूसरा ग्रुप खींचते हुए... एक ग्रुप वाला जो पावरफुल संगठन होगा वो दूसरे ग्रुप को खींचते हुए अंत में 108 की माला का संगठन एक हो जावेगा। वो 108 की माला स्पष्ट दिखाई पड़ेगी।

Time: 46.06-48.46
Student: Baba, only two from the Sun Dynasty are visible: One is the soul of Ram who plays his part through a male body and the other is sister *Yogini*; so, two are visible, aren't they?
Baba: And the observers are also observing the third one. How are they observing? You are saying that two are visible.
Student: No, no; the Moon dynasty within the Sun dynasty.
Baba: The Moon dynasty within the Sun dynasty?
Student: It is because sister *Yogini* or mother *Yogini*...

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: The Sun dynasty includes the souls from all the dynasties. Are there 12 within the Sun dynasty? The original gathering, the first gathering for which it has been said, even if one powerful gathering becomes ready, one group will pull the other group and....one group with a powerful gathering will pull the other group and ultimately the gathering of the rosary of 108 will unite. That rosary of 108 will be clearly visible.

जिज्ञासु: जैसे 8 राजा की बात अष्ट देव का ....

बाबा: 8 है। 12 नहीं होंगे?

जिज्ञासु: हाँ 12 तो होंगे, स्थापना, विनाश और पालना, 3x4=12।

बाबा: स्थापना और पालना वाले पाने वालों की लिस्ट में आ जाते हैं। जो सिर्फ डिस्ट्रक्शन करते हैं वो उतनी प्राप्ति करने वालों की लिस्ट में नहीं आते हैं।

जिज्ञासु: स्थापना पालना में अगर आ गया; सूर्यवंश में जो स्थापना हो रहा है वो राम वाली आत्मा में हो रहा है और सूर्यवंश में जो चन्द्रवंशी है, उधर की बात नहीं है, माना बेसिक की बात नहीं है, एडवांस की बात है। तो उसमें योगिनी बहन ।

बाबा: माना चन्द्रवंशियों का कोई तो एक पूर्वज होगा, उसके मुकाबले चन्द्रवंश का कोई पूर्वज नहीं होगा उससे पहले। क्या? जगदम्बा भी पूर्वज नहीं होगी। सूर्यवंश का एक ही पूर्वज... पूर्वज सबसे पहला पैदा होने वाला। जो चन्द्रवंशियों की लिस्ट में जाने वाले हैं 84 जन्मों में, भले एक ही जन्म में जाए तो भी क्या कहा जायेगा? कि है तो पूर्वज, तो वो एक ही तो होगा पूर्वज कि सारे ही होंगे? एक 100% पूर्वज होगा तो उस हिसाब से देखो कि चन्द्रवंश का पूर्वज कौन असल सूर्यवंशी संगठन में?

Student: For example, the mention about the eight kings, the eight deities.....

Baba: Are there [just] eight? Will there not be 12?

Student: Yes, there will be 12. [Those who do] establishment, destruction and sustenance; [i.e.] 3x4=12.

Baba: Those who do the establishment and sustenance are included in the list of achievers. Those who cause just destruction are not included in the list of those who achieve attainments to that extent.

Student: If they are included in [the group of those who do the] establishment and sustenance; the establishment that is taking place in the Sun dynasty is taking place through the soul of Ram and the [bead representing] the Moon dynasty within the Sun dynasty; it is not about that side, i.e. not about the basic; it is about the advance [party]. So, in that sister *Yogini*....

Baba: It means that there will be an ancestor of the followers of the Moon dynasty; when compared to her, there will not be any other ancestor of the Moon dynasty before her. What? Even *Jagdamba* will not be the ancestor. There is only one ancestor of the Sun dynasty.....ancestor (*poorvaj*) means the one who is born first of all. Those who are going to be included in the list of the followers of the Moon dynasty in 84 births, even if they are included in that list for one birth, what will they be called? She is an ancestor. Will there be only one ancestor or will everyone be an ancestor? One will be 100% ancestor; so by that account, look who is the ancestor of the Moon dynasty in the actual gathering of the Sun dynasty?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 51.53-53.15

जिज्ञासुः बाबा, आज 25 दिसम्बर है। तो सैंटा क्लॉज़ (Santa Claus) का जो गायन होता है, उसका बेहद का अर्थ क्या है?

बाबा: जो भी होता है वो संगमयुग में होता है प्रैक्टिकल में या भक्तिमार्ग में प्रैक्टिकल होता है? भक्तिमार्ग में स्थूल रूप में होता है और ज्ञानमार्ग में सूक्ष्म रूप में होता है। भक्तिमार्ग में सैंटा क्लॉज़ दिखाते हैं तो क्या दिखाते हैं? स्थूल खिलौने लाता है, दिखावे के खिलौने लाता है या उन खिलौनों से अविनाशी प्राप्ति होती है? दिखाने के, दिखावे के, अल्प काल के प्राप्ति, अल्पकाल की आँखों की खुशी देने वाले खिलौने आते हैं। लेकिन असली सान्ता क्रुज (Santa Claus) कौन है? शिवबाबा। और वो बूड्ढ़े के तन में दिखाते हैं या नौजवान तन में दिखाते हैं? बूढ़े के तन में दिखाते हैं। तो उसकी उम्र कितनी हो रही होगी जब वो सान्ता क्रुज के रूप में खिलौने लायेगा? कितनी उम्र होगी? अरे, अन्दाजिया कितनी उम्र हुई होगी? (सभी: 60 से उपर ।) हाँ जी।

Time: 51.53-53.15

Student: Baba, today it is 25th December. So, what is meant by Santa Claus in who is praised?

Baba: Whatever happens [in the world], does it happen in the Confluence Age or in the path of *bhakti* in practical? In the path of *bhakti* it takes place in a physical sense and in the path of knowledge it takes place in a subtle form. How is Santa Claus depicted in the path of *bhakti*? Does he bring material toys, toys which are toys for show-off or do we attain imperishable attainment through those toys? Toys that are just for showing-off, for temporary attainments, to give joy to the eyes temporarily are brought by him. But who is the true Santa Claus? Shivbaba. Moreover, is he shown to be having an old body or a young body? He is shown to be having an old body. So, what would be his age when he brings toys in the form of Santa Claus? What will be his age? *Arey*, what would be his age approximately? (Everyone said – above 60 years). Yes.

समयः 53.17-54.45

जिज्ञासुः बाबा, क्लास हमारा कौनसा होता है? सेंटर में जैसे क्लास करते हैं और गीता पाठशाला में भी। घर में अकेले कहीं रहते हैं तो वो क्लास है क्या? तो क्लास कौनसा कहा जाता है?

बाबा: एक फर्स्ट-क्लास क्लास कहा गया, एक सेकेण्ड-क्लास क्लास कहा गया, एक गुड सेकेण्ड-क्लास क्लास है और एक थर्ड-क्लास क्लास है। थर्ड-क्लास क्लास कौनसा है? नहीं मालूम?

Time: 53.17-54.45

Student: Baba, which one is considered our class? For example, we attend class at the center as well as in the *Gita pathshala.* If we attend the class alone at home sometimes; is that considered a class? So, which one [among these] is considered a class?

Baba: One is a first-class class, one is second-class class, one is a good second-class class and one is a third-class class. Which one is the third-class class? Don't you know?

जिज्ञासु: जैसे चार्ट में लिखते हैं, क्लास करते हैं या नहीं तो वो कौनसा क्लास है?

बाबा: वो तो रेग्युलैरिटि पूछी गई। कोई भी क्लास। थर्ड-क्लास हो या सेकेण्ड क्लास हो या फर्स्ट क्लास हो, रेग्युलैरिटि पूछी गई - करते हैं या नहीं करते हैं?

जिज्ञासु: घर में करने से भी क्लास हो जाता है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा: गीतापाठशाला में भी क्लास करने गए और इधर-उधर दृष्टि जा रही है तो वो फर्स्ट-क्लास क्लास है या सेकेण्ड-क्लास क्लास है या थर्ड-क्लास क्लास है या वो भी नहीं है? (सभी: वो भी नहीं है।) और घर में बैठके अकेले दत्तचित्त हो करके बाबा की मुरली सुन ली, मनन चिंतन मंथन करते रहे। स्वेटर भी नहीं बुना, कोई काम भी नहीं किया, सारी ताकत वाणी सुनने में ही लगा दी तो वो फर्स्ट-क्लास, सेकेण्ड-क्लास या थर्ड-क्लास या क्लास में जाने वाले से ज्यादा अच्छा है? (सभी- अच्छा है।)

Student: For example we write in the chart, whether we attend the class or not; so, about which class is that?

Baba: The regularity has been asked about. It could be any class. Whether it is third class or second class or first class; the regularity has been asked: whether you attend the class [regularly] or not?

Student: Is it considered a class even if we attend the class at home?

Baba: If we go to the *Gita pathshala* for class and if we are seeing here and there; then, is it a first-class class or second-class class or third-class class or not even that? (Everyone said - It is not even that). But, if you sat at your home and listened to Baba's *Murli* alone with concentration; if you kept thinking and churning about it. You did not knit a sweater, did not do any work either, if you focused all your energy just on listening to the *Vani*, then is it a first class, second class or third class or is it far better than the person going to a class? (Everyone said - It is better).

समयः 55.08-57.34

जिज्ञासुः बाबा, हम सेवा करना चाहते हैं, किसीको सन्देश देना चाहते हैं ज्ञान का तो किस आधार से करें, किस शक्ति का अधार लें?

बाबा: भक्तिमार्ग में कहते हैं, सबते सेवक धर्म कठोरा। क्या? जो कर्म किये जाते हैं उन कर्मों में सबसे कठोर धर्म कौनसा है? सेवा का धर्म, सेवक। राजा का धर्म इतना कठोर नहीं है लेकिन जो सेवक है, सेवाधारी है, उसका धर्म बहुत कठोर है और वो कठोर कर्म, कठोर धर्म का निर्वहन सबसे अव्वल नं. करने वाला कौन है? है तो बहुत कठोर लेकिन अव्वल नं. वो धर्म का पालन करने वाली कौनसी आत्मा है? (किसी ने कहा- राम।) राम की आत्मा नहीं। शिवबाबा। आय एम यॉर मोस्ट ओबिडियंट सर्वेंट।

Time: 55.08-57.34

Student: Baba, I want to do service, I want to give the message about the knowledge to someone. So, on what basis can I do this? Which power should I use as a support?

Baba: It is said in the path of *bhakti, sabte sevak dharma kathora* (the duty of a servant is the most difficult one). What? Which is the most difficult one among all the actions that are performed? The duty of 'service'; [of a] servant. The duty of a king is not so difficult, but the duty of a servant, a server is very difficult and who is no. 1 in carrying on that difficult action, difficult *dharma* (duty)? It is no doubt very difficult, but which soul is number one in following that *dharma*? (Someone said - Ram). Not the soul of Ram. Shivbaba. [He says] I am your most obedient servant.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तो सेवक में सबसे बड़ा गुण कौनसा होना चाहिए? सहनशक्ति। कहीं भी जाए, जिसकी सेवा करे वो 10 शब्द हमको, 20 शब्द हमको विरोध के बोल दे, हमारे जूता मारने वाले शब्द कह दे तो भी हम सहन कर जाए। जैसे माँ बच्चे की पालना करती है। बच्चा आँख में उंगली घुसेड़ देता है, बाल पकड़ लेता है, नाक पकड़ लेता है, गोद में लैट्रिन कर लेता है। माँ उसको थप्पड़ मारती है क्या? प्यार से पालना करती है ना? तो जो सेवाधारी है उसको पहला-2 गुण धारण करना है सहनशक्ति का और मन्सा पावर के साथ वाचा की पावर करे, तब ही असर होगा। मन के अन्दर प्यार नहीं है, सिर्फ वाचा चल रही है और अन्दर से गुस्सा भरा हुआ है कि ये ज्ञान में आ जाए तब हम इसकी सम्पत्ति लूटे अच्छी तरह से।

So, which is the biggest virtue that a servant should inculcate? The power of tolerance. Wherever we go, whichever person we serve, he may speak 10, 20 words against us, he may speak words which may appear to be hitting us like a shoe, even then we should tolerate. For example, a mother takes care of the child. The child pokes his finger in the eyes [of the mother], catches her hairs, catches her nose, and passes stools in her lap. Does the mother slap him? She takes care of him affectionately, doesn't she? So, the servers (*sevadharis*) should first of all imbibe the virtue of power of tolerance and if we use the power of mind along with the power of words; only then will there be any effect. If there is no love in the heart, just speech is being used and if there is anger filled inside [thinking:] if this person enters the path of knowledge, we will loot his property nicely.

समयः 57.39-58.38

जिज्ञासुः बाबा, संकल्पों की शूटिंग होती है या हम प्रैक्टिकल में जो कर्म करते हैं उसकी शूटिंग होती है?

बाबा: संगमयुग में हम अच्छे संकल्प भी करते हैं और बुरे संकल्प भी करते हैं। जो श्रीमत के अनुसार अच्छे संकल्प करते हैं, क्या? श्रीमत के अनुकूल अच्छे संकल्प करते हैं तो उनका रिजल्ट जो है वो सतयुग, त्रेता में मिलेगा या द्वापर, कलियुग में मिलेगा? सतयुग, त्रेता में मिलेगा और श्रीमत के बरखिलाफ जो कर्म करते हैं या संकल्प करते हैं तो उसका रिजल्ट कहाँ मिलेगा? द्वापर, कलियुग में रिजल्ट मिलेगा।

Time: 57.39-58.38

Student: Baba, does the shooting of thoughts takes place or does the shooting of the actions that we perform in practical take place?

Baba: We create good as well as bad thoughts in the Confluence Age. Those who create good thoughts in accordance with the *Shrimat*; what? If we create good thoughts in accordance with the *Shrimat*, will we receive its result in the Golden Age and Silver Age or in the Copper Age and Iron Age? We will attain the result in the Golden Age and the Silver Age and if we perform actions or create thoughts against the *Shrimat*, then, when will we attain its result? We will attain the result in the Copper Age and the Iron Age.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 58.39-01.00.09

जिज्ञासुः बाबा, अष्ट देव का भाई-2 स्टेज है ना।

बाबा: हांजी।

जिज्ञासु: तो उसकी निशानी बाहर से क्या दिखाई देगी?

बाबा: जो भाई-2 की स्टेज वाला होगा वो आपस में देहभान में आ करके एक दूसरे के देह को प्यार करेगा? करेगा?

जिज्ञासु: नहीं।

बाबा: नहीं करेगा। तो ये निशानी हो गई।

जिज्ञासु: और कुछ निशानी?

बाबा: सबसे पहली तो निशानी नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा है ना? देह से भी नष्टोमोहा, देह के सुख से भी नष्टोमोहा। देह का कोई सुख नहीं चाहिए। सम्बन्ध से भी नष्टोमोहा; सम्बन्ध का कोई सुख नहीं चाहिए किसीसे। अगर सम्बन्धों का भी सुख चाहिए तो किससे चाहिए? एक से चाहिए या दूसरों से चाहिए? एक से चाहिए। अष्ट देवों की जब कहीं भी कोई बात आती हो तो पहला गुण आगे रखना है। क्योंकि पहले-2 उनका रिजल्ट निकलता है। जब परीक्षा होती है तो वो कौनसे प्रश्न में, कौनसी परीक्षा में पहले पास होते हैं? नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा। उनका सारे पुरुषार्थी जीवन का आकलन किया जाए, आदि से ले करके अंत तक; कौनसा गुण विशेष दिखाई देगा उनका? नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा।

Time: 58.39-01.00.09

Student: Baba, the eight deities *(ashta dev)* are in the stage of brothers among themselves, aren't they?

Baba: Yes.

Student: So, what will be its external indications?

Baba: Will the one who is in a stage of being brothers, become body conscious and love the body of others? Will he?

Student: No.

Baba: He will not. So, this is an indication.

Student: Is there any other indication?

Baba: The first and foremost indication is *nashtomoha smritilabdha* (attaining victory over attachment and regaining remembrance), isn't it? *Nashtomoha* (gaining victory over attachment) from the body, *nashtomoha* from the bodily pleasure as well. [There should be a feeling:] there is no need of any bodily pleasure. We should be *nashtomoha* even through the relationships [thinking:] we do not want any pleasure of relationship through anyone. Even if we want the pleasure of relationship, through whom do we want it? Do we want it from [the] one or through others? We want it from [the] one. Whenever any topic of the eight deities emerges, this is the first virtue that should be kept in front because first of all their result comes out. When an exam takes place, in which question, in which exam do they pass first? [They pass the paper of] *nashtomoha smritilabdha*. If their entire *purusharthi* life (life of doing special effort for the soul) is analyzed from the beginning to the end, which virtue will be especially visible in them? *Nashtomoha smritilabdha*.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 01.01.03 -01.03.24

जिज्ञासुः बाबा, कर्मेन्द्रिय से कर्म करते-2 याद करना, ये ज्यादा पावरफुल है या एक जगह पर बैठके, एक विशेष टाईम पर बैठके याद करना वो ज्यादा पावरफुल है?

बाबा: बैठके याद करना इसका मतलब है कि हमने कर्मेन्द्रियों से कोई कर्म नहीं किया। आत्मा ने सिर्फ मन-बुद्धि रूपी आत्मा से अव्यक्त कर्म किया। मन-बुद्धि रूपी आत्मा सिर्फ पार्ट बजाती हो और कर्मेन्द्रियों से कोई कर्म न करती हो तो उसे प्रवृत्तिमार्ग कहेंगे या निवृत्तिमार्ग कहेंगे? निवृत्तिमार्ग। ये निवृत्तिमार्ग का कर्म सन्यासी करने में ज्यादा एक्स्पर्ट होते हैं। उससे ये साबित नहीं हुआ कि हमने कर्मेन्द्रियों के ऊपर जीत पाई। साबित होगा? नहीं साबित होगा। वो सन्यासी ऐसा कर्म करने में बड़े एक्स्पर्ट होते हैं। लेकिन जो प्रवृत्तिमार्ग के पक्के होंगे वो बाबा की बात पर ज्यादा विश्वास रखेंगे। बाबा ने बोला है, प्रवृत्ति में रहते हुए, कर्मेन्द्रियों से कर्म करते हुए मन को जीतना है, श्रेष्ठ संकल्प करना है। लेकिन शर्त ये है कि कर्म जो भी हम कर रहे हैं वो कर्म व्यर्थ कर्म तो नहीं हैं? क्योंकि बाप हमें व्यर्थ कर्म करना नहीं सिखाते। व्यर्थ कर्म करना सिखाते हैं या समर्थ कर्म करना सिखाते हैं? कर्म ऐसा हो जिसमें से रिजल्ट अच्छा निकले। ऐसा कर्म न हो जो रिजल्ट में दुखदायी हो जाए।

Time: 01.01.03-01.03.24

Student: Baba, is remembering [Baba] while performing actions through the organs of actions more powerful or is remembering [Baba] while sitting at a particular place at a particular time more powerful?

Baba: Sitting and remembering means we did not perform any action through the organs of action. The soul performed just *avyakt* (unmanifest) actions through the soul in the form of mind and intellect. If the soul in the form of the mind and intellect plays its part alone and does not perform any action through the organs of action, will it be called a path of household *(pravritti marg)* or a path of renunciation *(nivritti marg)*? [It will be called] a path of renunciation. The *sanyasis* are more expert in performing this act of the path of renunciation. It does not prove that we gained victory over the organs of action. Will it be proved? It will not be proved. Those *sanyasis* are very expert in performing such actions. But those who are firm in the path of household will have more faith in Baba's versions. Baba has said, while living in a household, while performing actions through the organs of action, we have to gain victory over the mind, we have to create righteous thoughts. But the condition is that whatever actions we are performing, are those actions wasteful actions? Because the Father does not teach us to perform wasteful actions; does He teach us to perform wasteful actions or to perform meaningful actions? Actions should be such that they bring out a good result. It should not be such an action that its result is sorrowful.

समयः 01.03.26 -01.04.22

जिज्ञासुः बाबा, शिवबाबा को निराकारी स्टेज के कारण कपड़ा नहीं दिखाया है लेकिन इधर तरफ दिखाया है, काली जो... काली होती है उसको भी कपड़ा नहीं दिखाया है।

बाबा: उसको हाथ दिखाते हैं ना कपड़े के रूप में? हाथ माने क्या? भुजा। माना भगवान की भुजायें काट-2 करके उसने अपना सहयोगी बना लिया। वो ऐसा सहयोग करती है महाकाली का

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

कि उसके गुप्त अंग दिखाई नहीं पड़ते किसीको। माना दुष्टकर्म उसका वो भुजायें छिपाय लेती है, भ्रष्ट कर्मेंद्रियों से किया हुआ दुष्ट कर्म भुजायें छिपाती है। कपड़े की दरकार नहीं है।

Time: 01.03.26-01.04.22

Student: Baba, Shivbaba has not been shown wearing clothes because of his incorporeal stage but here, it has been shown, [Goddess] *Kali* who is….*Kali* has not been shown to be wearing clothes either.

Baba: She is shown to be wearing hands in the form of clothes, isn't she? What is meant by hands (*haath*)? Arm (*bhuja*). It means that she cut-off the arms of God and made them her helpers. They extend such help to *Mahakali* (a goddess) that her secret organs are not visible to anyone. It means that those arms (i.e. her helper souls) hide her wicked actions; the arms hide the bad actions performed by her through the unrighteous organs. There is no need for clothes as such.

समयः 01.04.25 -01.05.16

जिज्ञासुः बाबा, याद में सारे परिणाम समाया है। इसमें क्या ज्ञान, योग, धारणा, सेवा चारों सब्जेक्ट आ जायेगा?

बाबः याद में जो रहने वाला है उसकी आखरी जो स्टेज बनेगी उसमें वो मुख से कुछ भी न बोले और किसीको यूँ एक आँख से एक सेकेण्ड के लिए देख ले तो जिसको एक सेकेण्ड के लिए वो दृष्टि पड़ेगी वो परिवर्तित होगा या नहीं होगा? (सभी: होगा।) कर्म किया क्या? नहीं किया। कर्म भी नहीं किया, न ज्ञानेन्द्रिय से कोई खास कर्म किया, न कर्मेन्द्रियों से कोई खास कर्म किया, लेकिन रिजल्ट? रिजल्ट अच्छा आया।

Time: 01.04.25-01.05.16

Student: Baba, all the results are merged in remembrance; does it include all the four subjects like knowledge, *yog, dharna* (inculcation)*, seva* (service)?

Baba: The last stage of the one who remains in remembrance , in that [stage] even if he does not speak anything through the mouth and he sees someone like this (indicating something) through the eyes for a second, then will the person whom he sees for a second be transformed or not? (Everyone said – He will). Did he perform any action? He did not. He did not perform any action either; neither did he perform any special action through the sense organs, nor did he perform any special action through the bodily organs, but what about the result? The result obtained was good.

समयः 01.07.22 -01.11.26

जिज्ञासुः बाबा, एक मुरली में आया, ब्रह्मा चतुरानन भी हो सकता है और पंचानन भी हो सकता है। तो उसमें बाबा आपने बोला है यज्ञ के आदि में 2 ब्रह्मा, अंत में 2 ब्रह्मा और बीच में दादा लेखराज। तो आदि में वो 2 ब्रह्मा कौन हुए? जो सेवकराम, गीतामाता तो थे ही थे और भी 2 आत्मायें थे जो आदि में ब्रह्मा बाबा और मम्मी को ड्रिल कराते थे। जरूर उसमें कोई पावर थी जो ब्रह्मा बाबा और मम्मा को ड्रिल कराते थे। तो वो आत्मायें कौन हुए? उनको ब्रह्मा नहीं कहेंगे क्या?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 01.07.22-01.11.26
Student: Baba, it has been mentioned in a *Murli*, Brahma can be four-headed (*chaturanan*) as well as five-headed (*panchaanan*). So Baba, you have said in it, there were 2 Brahmas in the beginning of the *yagya*, two Brahmas in the end and Dada Lekhraj in the middle. So, who were the two Brahmas in the beginning? Sevakram (partner of Dada Lekhraj Brahma) and *Gitamata* were certainly there, and there were two more souls also in the beginning, who used to make Brahma Baba and Mummy (Om Radhe Mamma) to perform the drill [of remembrance]. Certainly they had some power with which they used to make Brahma Baba and Mamma to perform drill. So, who are those souls? Will they not be called Brahma?

बाबा: आदि वाले ब्रह्मा जो ड्रिल कराने वाले थे वो ही आदि वाले अंत में दिखाई पड़ते हैं। आदि सो अंत। जो आदि में... आदि, आदि में शुरु वाले; वो ही अंत में भी शुरु वाले। उन दो को अलग कर दो। तो आदि में अंत वाले ब्रह्मा कौन हुए? आदि में अंतिम पार्ट बजाने वाले ब्रह्मा कौन हुए? अरे, हुए कि नहीं हुए? (किसी ने कहा- हाँ।) कौन-2 हुए? वास्तव में जो ब्रह्मा का प्रैक्टिकल पार्ट ही नहीं बजाता उसका नाम पहले ले दिया। (किसी ने कहा: जगदम्बा।) जगदम्बा? जगदम्बा तो आदि में हैं या अंत वाला पार्ट बजाने में हैं? वो तो आदि वाले वो कहे गए- ऐसे-2 बच्चे थे जो मम्मा-बाबा को भी ड्रिल कराते थे, टीचर बनकरके बैठते थे। 10 वर्ष से रहने वाला, ध्यान में जाती थी। उनमें बाबा प्रवेश करते थे। माना आदि वाले तो वो हुए जो पहले-2 थे और अंत वाले कौन हुए? ब्रह्मा और सरस्वती। आदि में ही चारों निश्चित थे। वो आदि वाले भी थे और अंत वाले भी थे। लेकिन बीच में एक और था। वो कौन रह गया? वो आदि में भी प्रत्यक्ष नहीं और मध्य में भी प्रत्यक्ष नहीं होता, अंत में ही जाके प्रत्यक्ष होता है। अंत में जा करके वाणियों के द्वारा क्लियर होता है कि जो तीन मूर्तियाँ है, उन तीन मूर्तियों में वो कौन? (किसी ने कहा- बाबा, वो छोटी माँ होगी ना।) छोटी माँ हुई ना? (किसी ने कहा - हाँ।) तो कितने ब्रह्मा हो गए? 5 ब्रह्मा हो गए। उन 5 ब्रह्मा में से एक का सर उड़ाय दिया जाता है। सर उड़ाना माना आत्मा अलग और शरीर अलग। बाकी ब्रह्मा के ब्रह्मा ही रहते हैं।
Baba: The same Brahmas in the beginning, who used to enable the drill appear in the end. Whatever happens in the beginning happens in the end. Those who were in the beginning…..the beginners, those in the beginning are themselves the beginners in the end as well. Separate those two. So, who were the last Brahmas in the beginning? Who were the Brahmas who played the last part in the beginning? *Arey*, did they exist or not? (Someone said – Yes). Who were they? The name of the one who does not play the practical part of Brahma at all in reality, was uttered first. (Someone said: *Jagdamba*). Is *Jagdamba* in the beginning or is she included among those who play a part in the end? The earliest ones were the ones about whom it has been said, there were such children who used to make Mamma-Baba to perform the drill too; they used to sit as teachers. The one (a male) who used to live [with him] for 10 years; she used to go into trance; Baba used to enter in them. It means that the earliest ones are those who were present first of all and who are the last ones? Brahma and Saraswati. All the four were fixed in the very beginning. Those first ones and the last ones were also present. But there was one more in between. Who was that? He is not revealed in the beginning and not in the middle either; he is revealed only in the end. Only in the end it becomes clear through the *Vanis* as to who is that personality among the three personalities. (Someone said – she will be *choti ma*, i.e. the junior mother, won't she?) It is the junior mother, isn't she? (Someone said- Yes.) So, how many Brahmas are there? There

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

are 5 Brahmas. Among those 5 Brahmas, the head of one is cut-off. Cutting-off the head means that the soul becomes separate and the body becomes separate. All the remaining ones remain Brahma.

ब्रह्मा माना देह अभिमानी या आत्मा अभिमानी? ब्रह्मा माने देह अभिमानी। दाढ़ी-मूँछ वाला ब्रह्मा दिखाया जाता है। तो चार हो गए देह अभिमानी और एक ब्रह्मा की स्टेज से ऊँचा उठ गया। वो कौन? यज्ञ के आदि में ही अलफ को मिला अल्लाह, बे को मिली बादशाही। वो चार भुजाओं को चलाने वाला है। वो चार भुजायें हैं विष्णु- प्रैक्टिकल में मददगार। किसकी मददगार? प्रजापिता की मददगार। तो प्रजापिता वाली आत्मा वो हुई नेक्स्ट टू गॉड। बाकी जो चार ब्रह्मा हुए उनको प्रजापिता ब्रह्मा नहीं कहेंगे। उनको नेक्स्ट टू ग़ॉड नहीं कहेंगे।

Does Brahma mean a body conscious one or a soul conscious one? Brahma means a body conscious one. Brahma is shown to have a beard and moustache. So, four are body conscious ones and one rose above the stage of Brahma. Who is he? In the very beginning of the *yagya, Alaf* (first letter in the Urdu language) found *Allah* (God), *Be* (the second letter in the Urdu language) got *badshahi* (i.e. emperorship). He *(Alaf)* is the one who operates the four arms. Those four arms are Vishnu, the helpers in practical. Whose helpers? Helpers of Prajapita. So, the soul of Prajapita is next to God. The remaining four Brahmas will not be called Prajapita Brahma. They will not be called next to God.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info